ECHO OF HIS CALL

बुलावे की प्रतिध्वनि

HINDI

ECHO OF HIS CALL
REACHING NATIONS
SINCE 1969
1969 TO 2029

India's National Spiritual Newspaper

₹ 10/-

Published monthly in ENGLISH, TAMIL, MALAYALAM, TELUGU, HINDI, KANNADA, MARATHI, BENGALI, GUJARATI, ODIYA, ASSAMESE, PUNJABI, NEPALI, URDU, SINHALA & AFRIKAN

Editor : S. SAM SELVA RAJ | 16 Languages | Associate Editor : Sis. DOROTHY S. THOMAS

Vol. XXX | YEAR OF OUR LORD JESUS CHRIST, 2025 OCTOBER | No. 11

पवित्र बाइबल!
इन वचनों को याद करें
परमेश्वर की स्तुति हो
भजन 29:1-9

1 हे परमेश्वर के पुत्रो, यहोवा का, हाँ, यहोवा ही का गुणानुवाद करो, यहोवा की महिमा और सामर्थ्य को सराहो।

2 यहोवा के नाम की महिमा करो; पवित्रता से शोभायमान होकर यहोवा को दण्डवत् करो।

3 यहोवा की वाणी मेघों के ऊपर सुनाई पड़ती है; प्रतापी ईश्वर गरजता है, यहोवा घने मेघों के ऊपर रहता है।

4 यहोवा की वाणी शक्तिशाली है, यहोवा की वाणी प्रतापमय है।

5 यहोवा की वाणी देवदारों को तोड़ डालती है; यहोवा लबानोन के देवदारों को भी तोड़ डालता है।

6 वह उन्हें बछड़े के समान और लबानोन और शिर्योन को जंगली बछड़े के समान उछालता है।

7 यहोवा की वाणी आग की लपटों को चीरती है।

8 यहोवा की वाणी वन को हिला देती है, यहोवा कादेश के वन को भी कँपाता है।

9 यहोवा की वाणी से हरिणियों का गर्भपात हो जाता है। और अरण्य में पतझड़ होता है; और उसके मन्दिर में सब कोई महिमा ही महिमा बोलता रहता है।

आपके आशीषित भविष्य के सात रहस्य!!

SEVEN SECRETS of your blessed future!!

बहन एन्जल

हमारे प्रभु और उद्धारकर्ता यीशु मसीह के नाम में अभिवादन।

मुझे हर महीने एको ऑफ़ हिज़ कॉल पत्रिका के माध्यम से आपसे मिलकर बहुत ख़ुशी होती है। मुझे विश्वास और आशा है कि आप परमेश्वर के अनुग्रह से कुशल से होंगे। हममें से कुछ लोग अभी बहुत अच्छा महसूस नहीं कर रहे होंगे, लेकिन यह तथ्य कि आपने इस पत्रिका को पढ़ने का निर्णय लिया, विश्वास का एक कदम है। याद रखें – सारी बातें परमेश्वर के नियंत्रण में हैं। जब तक वह न कहें, तब तक सब कुछ समाप्त नहीं होता।

पिछले कुछ हफ़्तों से, "अपनी रक्षा करें" वाक्यांश लगातार मेरे दिल में घूम रहा है। मैंने इसका अध्ययन और चिंतन करना शुरू किया है, और मैं इनमें से कुछ विचार आपके साथ साझा करना चाहती हूँ।

बाइबल हमें अपना ध्यान रखना सिखाती है। रक्षा करने का अर्थ है ध्यान रखना, सतर्क, सावधान और अपने आस-पास हो रही घटनाओं के प्रति जागरूक रहना। आइए कुछ महत्वपूर्ण बातों पर नज़र डालें जहाँ हमें अपना ध्यान रखना है।

पृष्ठ 3 से क्रमशः...

एको ऑफ हिज़ कॉल 5 मिनिट का संदेश!!

यू ट्यूब मसीही चैनल!

तुम्हें पास्टर एस. सैम सिल्वा राज के साथ प्रार्थना करने का अवसर मिलेगा!

अंग्रेजी, हिन्दी, तमिल और तेलुगू

प्रतिदिन सुबह 2 बजे

तमिल रविवार सभा – सुबह 8:30 बजे

* Please Subscribe and Share *

ECHO OF HIS CALL - (Marching towards 60th year)

from your dearly beloved brother...

"परमेश्वर पर भरोसा रख; क्योंकि वह मेरे मुख की चमक और मेरा परमेश्वर है, मैं फिर उसका धन्यवाद करूँगा।" भजन 42:11.

प्रभु में प्रिय मित्रों,

हमारे उद्धारकर्ता और प्रभु यीशु मसीह के अनमोल नाम में आपको अभिवादन!

यह सच है कि परमेश्वर अक्सर हमें कठिन परिस्थितियों से जाने देता है ताकि हमारा चरित्र निखारे और हम उसके करीब आ सकें। भजन संहिता ४२ में, हम दाऊद को ऐसे ही दौर से गुज़रते हुए देखते हैं। वह पहाड़ों से घाटियों तक, जंगल से नदी के किनारों तक, अपने हृदय में बोझ लिए और अपनी आत्मा में शांति के लिए संघर्ष करते हुए भटकता रहा। फिर भी, इन सबके बीच, उसने अपनी आत्मा को परमेश्वर पर और अधिक गहराई से भरोसा करने के लिए प्रोत्साहित किया।

गहरा विश्वास रखने का अर्थ पीड़ा में परमेश्वर की स्तुति करना, उथल-पुथल में उस पर विश्वास करना, संघर्षों में उसमें आनन्दित होना, और घनी अंधेरी रात में भी उसके सत्य से लिपटे रहना। यह मेरा व्यक्तिगत अनुभव है, और मुझे विश्वास है कि प्रभु इसके द्वारा आपकी सेवा करेंगे।

यदि आशा जड़ है, तो स्तुति फल है। स्तुति और आराधना हमारे विश्वास की जड़ों को गहरा करती है। इसलिए यदि आप निराशा का सामना कर रहे हैं, तो हिम्मत न हारें - अपनी आशा न छोड़ें! डटे रहें!! साहसी बनें!!! अपनी आशा परमेश्वर पर रखें। आप पूछ सकते हैं, "लेकिन मैं परमेश्वर पर कैसे आशा रखूँ?" मेरा उत्तर सरल है : वही करो जो दाऊद ने किया।

"क्योंकि मैं फिर भी उसकी स्तुति करूँगा।" बीमारी में उसकी स्तुति करें। कृतज्ञता के साथ उसकी स्तुति करें, तब भी जब तुम भारी आर्थिक बोझ से जूझ रहे हो। वह तुम्हें लज्जित नहीं होने देगा। जब सब कुछ ठीक चल रहा हो, तब आराधना करना आसान होता है - यही कृतज्ञता है। लेकिन जब सब कुछ हमारे विरुद्ध लगे, तब परमेश्वर की आराधना करना दृढ़ आशा का प्रतीक है। परमेश्वर ऐसे विश्वास से प्रसन्न होता है।

दाऊद के जीवन में यह सच था। परमेश्वर ने उसके शत्रुओं को पराजित किया और जो कुछ उसने खोया था, उसे वापस लौटा दिया। अय्यूब के साथ भी ऐसा ही हुआ। हालाँकि अय्यूब ने सब कुछ खो दिया, फिर भी अंत में परमेश्वर ने उसे दुगुना भाग दिया। पवित्रशास्त्र कहता है, ...क्योंकि प्रभु ने अय्यूब को स्वीकार कर लिया था। (अय्यूब ४२:९)। तमिल भाषा में बाइबल अनुवाद कहता है, **"प्रभु परमेश्वर ने अय्यूब के चेहरे को देखा!** क्या ही धन्य अनुभव था! उसी तरह, परमेश्वर आपकी भी देखभाल करेगा। उस पर अपनी आशा रखें, और तुम उसकी भलाई देखोगे।

परमेश्वर हमारी सेवकाई को बहुतायत की आशीष दे रहा है। सचमुच, **यहोवा मेरा चरवाहा है; मुझे कुछ घटी न होगी।** भजन संहिता २३:१। मुझे विश्वास है कि इस माह प्रभु आपको और मुझे ऐसे अनुग्रह से अभिषेक करेंगे कि हम पूरे विश्वास के साथ कह सकेंगे : मैं उन लोगों में से नहीं रहूंगा जिन्हें कुछ घटी है।

कृपया एको ऑफ़ हिज कॉल की सेवकाई के लिए निरंतर प्रार्थना करते रहें, और प्रभु द्वारा दी गई सहायता और सहयोग से हमें सहयोग प्रदान करें। प्रभु आपको बहुतायत की आशीष दें!

मसीह यीशु में, आपके सेवक,

पास्टर एस. सैम सिल्वा राज Email: sam@echoofhiscall.org

OUR MISSION POLICY

We should expound and teach the contemporary generation the undiluted teachings of the ancient and early Apostles. It is the need of the hour.

HON. EDITOR-IN-CHIEF
Rev. Dr. Angeline S. Kumari, M.A., M.Sc., M.Ed.

EX MANAGING EDITOR
Pastor Alex Samson Sam, B.Th., M.Div.

GENERAL MANAGER
Bro. N. Prakasam, M.A., M.Sc(C&P), PGDHRM, MBA.

ADMINISTRATION
Sis. Jesy Veena Sam
Adv. K. Puratchivendan, M.Com., C.A., B.L.
Dr. P.E.R. Premchand, M.Sc., M.A., M.Ed., Ph.D.
Dr. C.G.S. Baburao, B.Tech., M.Tech. (DM), Ph.D.
Dr. Rabinder Boaz, M.S. (CMC)

EDITORIAL BOARD
Dr. Serena Bevin, M.A., M.Phil., B.Ed.
Sis. Sajini Cherian
Rev. Dr. K.R. Rajasekaran
Rev. Dr. William Robert, Ph.D., DD, D.Lit.

EDITOR, PUBLISHER & PRINTER
Pastor S. SAM SELVA RAJ
Echo of His Call Printers
10, Mohammed Abdullah 2nd Street,
Chepauk, Chennai- 600 005, India.
Phone : (+ 91- 44) 2852 8282, 2852 9293, 2854 7766
Cell : (+91) 98410 71852, 98412 71858 95661 31858

E.MAIL
sam@echoofhiscall.org
biblecor@yahoo.co.in

WEBSITES
www.echoofhiscall.org
www.stpaulsmatriculation.org

YOUTUBE CHANNEL
Echo of His Call

Our Ministries: ▢ ECHO OF HIS CALL Monthly Magazines (16 languages) ▢ BIBLECOR - Postal Courses (3 languages) ▢ YouTube Ministry ▢ Online Courses ▢ Theological Correspondence Courses (2 languages) ▢ Church Planting ▢ Nehemiah Bible Colleges ▢ Gospel Printing Press ▢ Great Commission Partners ▢ St. Paul's Matriculation School ▢ Crusades ▢ Community Development

पृष्ठ 1 से आगे...

1. अपने हृदय की रक्षा करें !

सबसे अधिक अपने मन की रक्षा कर; क्योंकि जीवन का मूल स्रोत वही है। नीतिवचन 4:23 एनएलटी

हृदय के लिए इब्रानी शब्द "लेब" है, जो हमारी भावनाओं, विचारों और अनुभूतियों के केंद्र को दर्शाता है। यह वह स्थान है जहाँ से हम सोचते हैं, तर्क करते हैं और निर्णय लेते हैं। इसीलिए बाइबल हृदय की रक्षा करने पर ज़ोर देती है - क्योंकि हमारे हृदय की स्थिति हमारे पूरे जीवन की दिशा तय करती है।

हमारा हृदय हमें परिभाषित करता है कि हम कौन हैं। यह हमारे अस्तित्व का सबसे जटिल अंग है - जिसे समझना कठिन है, और अक्सर हमारी समझ से परे। इसीलिए दाऊद ने प्रार्थना की, "हे यहोवा, मुझे जाँच," क्योंकि हृदय जटिल, भ्रामक और अनिर्णायक हो सकता है। केवल सृष्टिकर्ता ही वास्तव में इसकी जाँच कर सकता है, इसकी छिपी हुई दुष्टता को सामने ला सकता है, और इसे शुद्ध कर सकता है।

परमेश्वर न केवल हमारे हृदय की पापमयता को देखता है, बल्कि उसमें छिपे दर्द और घावों को भी देखता है। जैसा कि भजन का रचने वाला घोषित करता है : - भजन संहिता २६:१-२, छस्न हमारे उद्देश्य और कार्य हमेशा एक जैसे नहीं होते। जो हमें सही और शुद्ध लगता है, वह परमेश्वर की दृष्टि में बिल्कुल अलग हो सकता है, क्योंकि "यहोवा मन को जांचता है।"

पवित्रशास्त्र हमें स्मरण दिलाता है : - **मैं यहोवा मन की खोजता और हृदय को जाँचता हूँ ताकि प्रत्येक जन को उसकी चाल-चलन के अनुसार अर्थात् उसके कामों का फल दूँ** यिर्मयाह 17:10, एनएलटी। इसलिए हमें इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि हमारे हृदय पर क्या प्रभाव पड़ता है।

बाइबल हमें सबसे पहले अपने हृदय की रक्षा करने का आग्रह करती है, क्योंकि यह आपके जीवन की दिशा निर्धारित करता है। **सबसे अधिक अपने मन की रक्षा कर; क्योंकि जीवन का मूल स्रोत वही है,** नीतिवचन 4:23। इसी प्रकार, नीतिवचन 23:7 सिखाता है, **"क्योंकि जैसा वह अपने मन में विचार करता है, वैसा वह आप है।"**

परमेश्वर के प्रिय बच्चों, अपने हृदय में क्या प्रवेश करता है, उसके प्रति सतर्क और सावधान रहें - सोशल मीडिया के माध्यम से, आप जो किताबें पढ़ते हैं, आप जो फिल्में देखते हैं, या दोस्तों के साथ आप जो बातचीत करते हैं। हर प्रभाव मायने रखता है, क्योंकि आपका हृदय अंततः आपके जीवन की दिशा तय करता है।

2. अपने मुँह की रक्षा करें !

जब हम मुँह कहते हैं, तो जीभ भी शामिल होती है - और यह एक शक्तिशाली हथियार है।

... जीभ एक छोटी सी चीज़ है जो बड़ी-बड़ी बातें कहती है। लेकिन एक छोटी सी चिंगारी बड़े जंगल में आग लगा सकती है। और शरीर के सभी अंगों में, जीभ आग की ज्वाला है... यह आपके पूरे जीवन को जला सकती है... - याकूब 3:5,6 एनएलटी

हमारे मुँह से जो निकलता है, वह किसी व्यक्ति को या तो बना सकता है या बिगाड़ सकता है। इसलिए अपने शब्दों की सामर्थ्य को समझना बेहद ज़रूरी है।

कई बार, हम गुस्से में बोल जाते हैं और फिर यह कहकर अपने आप को माफ़ कर देते हैं, "मेरा यह मतलब नहीं था"। अक्सर, हम उन लोगों को हल्के में ले लेते हैं जिन्हें हम सबसे ज़्यादा प्यार करते हैं - उन्हें अपने गुस्से, कुंठाओं और निराशाओं को बाहर निकालने के लिए इस्तेमाल करते हैं। दुख की बात है कि ये अक्सर कठोर और आहत करने वाले शब्दों के रूप में निकलते हैं।

कितनी बार हमने अपना गुस्सा किसी ऐसे व्यक्ति पर निकाला है जो जवाब देने में असमर्थ है?

बाइबल हमें चेतावनी देती है :

जो अपने मुँह और जीभ पर लगाम लगाता है, वह अपनी आत्मा को विपत्तियों से बचाता है। - नीतिवचन 21:23 (एनकेजेवी)। भजनकार ने भी एक सुंदर प्रार्थना की : **"हे यहोवा, मेरे मुख पर पहरा बैठा, मेरे होठों के द्वार की रखवाली कर!"** - भजन संहिता 141:3 (एनकेजेवी)।

हमारी भी यही प्रार्थना हो। आइए हम अपने मुँह से निकलने वाले हर शब्द पर ध्यान दें।

3. अपने कदमों की रक्षा कर !

अपने कदमों की रक्षा करें... - सभोपदेशक 5:1 (एनआयवी)।

हमारा हर कदम हमारे भविष्य को आकार देता है। इसलिए, यह ज़रूरी है कि हम सावधानी से चलें - इस बात पर पूरा ध्यान दें कि हम अपने पैर कहाँ रखते हैं और किस दिशा में जा रहे हैं।

यह ज़रूरी है कि हम इस बात के प्रति सचेत रहें कि हम कहाँ जा रहे हैं और किस उद्देश्य से जा रहे हैं। अक्सर, हम अपनी खूबियों और कमज़ोरियों को हल्के में ले लेते हैं, यह एहसास किए बिना कि सिर्फ़ एक गलत कदम हमें उस जगह से बहुत दूर ले जा सकता है जहाँ परमेश्वर हमें ले जाना चाहता है। कभी-कभी, वापस लौटने में सालों लग सकते हैं, जिससे हमारा कीमती समय बर्बाद होता है और रास्ते में परमेश्वर की

अत्यंत आवश्यक सूचना!

निकट भविष्य में एको ऑफ हिज़ कॉल के डाक प्रेषण में अपरिहार्य रुकावटें हो सकती हैं। यदि आप बिना किसी रुकावट के एको ऑफ हिज़ कॉल प्राप्त करना जारी रखना चाहते हैं, तो कृपया हमें अपना नाम, पता, ईमेल और व्हाट्सएप नंबर पत्र, ईमेल, फ़ोन कॉल या एसएमएस/व्हाट्सएप संदेश के माध्यम से तुरंत भेजें।

आपका समर्थन हमें आपकी बेहतर सेवा करने में मदद करता है!

हमारा पता :

ECHO OF HIS CALL,
10, Mohammed Abdullah 2nd Street, Chepauk, Chennai-600 005, India
Cell: (+91) 98412 71858 / 98410 71858 E.mail: sam@echoofhiscall.org

आशीषें हमसे छिन जाती हैं।

इसलिए, अपनी योजनाओं को परमेश्वर के अधीन करना और उन्हें उसकी इच्छा के अनुरूप बनाना बुद्धिमानी है। जैसा कि नीतिवचन 16:9 हमें याद दिलाता है, **"हम अपनी योजनाएँ बना सकते हैं, लेकिन यहोवा हमारे कदम तय करता है।"** हमारा परमेश्वर अल्फा और ओमेगा है - वह भूत, वर्तमान और भविष्य को जानता है। वह हमारी सफलताओं और असफलताओं, दोनों को देखता है। जब हम सब कुछ उसके हाथों में सौंप देते हैं, तो हम निश्चिंत हो सकते हैं कि उसकी योजनाएँ हमेशा अच्छी होती हैं, क्योंकि वह हमसे गहरा प्रेम करता है। उसने हमारे लिए अपना जीवन दिया, फिर से जी उठा, और अब हमें उसकी प्रभुता पर भरोसा रखने के लिए बुलाता है।

हमारी यही प्रार्थना हो : **"मेरे पैरों को अपने वचन के मार्ग पर स्थिर कर, और किसी अनर्थ बात को मुझ पर प्रभुता न करने दे"** भजन संहिता 119:133 (एनआयवी)। मैं अपने सभी युवा मित्रों से आग्रह करता हूँ - अपनी युवावस्था में ही अपने मार्ग प्रभु को समर्पित कर दें। आपको इसका कभी पछतावा नहीं होगा।

4. लालच से बचें !

महत्वाकांक्षा और लालच के बीच एक बहुत ही पतली रेखा है। महत्वाकांक्षा स्वास्थ्यवर्धक हो सकती है, लेकिन लालच हानीकारक है। यीशु ने स्वयं चेतावनी दी थी, **"चौकस रहो, और हर प्रकार के लोभ से अपने आप को बचाए रखो।"** लूका 12:15

ऑक्सफ़र्ड डिक्शनरी लालच की की परिभाषा "किसी व्यक्ति की आवश्यकता से अधिक धन, संपत्ति या सत्ता की अत्यधिक इच्छा, या आवश्यकता से अधिक खाने या पीने की तीव्र इच्छा" के रूप में की है। अत्यधिक, तीव्र इच्छा और आवश्यकता से अधिक शब्दों पर ध्यान दें। यही लालच को महत्वाकांक्षा से अलग करते हैं।

बाइबल हमें संतुष्ट रहना सिखाती है, जो लालची होने या लगातार अधिक चाहने के बिल्कुल विपरीत है। अपने जीवन को धन के प्रेम से मुक्त रखें और जो आपके पास है उसी में संतुष्ट रहें, क्योंकि परमेश्वर ने कहा है, **"मैं तुम्हें कभी नहीं छोडूँगा, मैं तुम्हें कभी नहीं त्यागूँगा।"** - इब्रानियों 13:5 (एनआयवी)।

हमारा संतोष इस बात पर आधारित नहीं है कि हमारी हर इच्छा पूरी हो। बल्कि, यह उस परमेश्वर को जानने से आता है जिसके हाथों में पूरा संसार और उसकी सारी संपत्ति है। उसके पास हर परिस्थिति को नियंत्रित करने और हमारी भलाई के लिए सब कुछ करने की शक्ति है। उसने वादा किया है कि वह हमें कभी नहीं छोड़ेगा और न ही त्यागेगा। वह हमें बीच रास्ते में कभी नहीं छोड़ेगा, बल्कि पूरी ईमानदारी से हमारा साथ देगा - ताकि हम उस पर पूरा भरोसा कर सकें।

अगर परमेश्वर ने अपने इकलौते पुत्र को नहीं बख्शा, बल्कि हमें पाप और श्राप के बंधन से मुक्त करने के लिए उसे दे दिया, तो क्या वह हमारे जीवन की हर ज़रूरत को पूरा नहीं करेगा? **जिसने अपने निज पुत्र को भी नहीं बख्शा, बल्कि उसे हम सब के लिए दे दिया - वह उसके साथ, हमें सब कुछ अनुग्रहपूर्वक कैसे न देगा?** रोमियों 8:32 (एनआयवी)।

प्रिय भाइयो और बहनो, हिम्मत रखोरू वह यहोवा यिरेह है - हमारा दाता। वह अपनी महिमा के धन के अनुसार हमारी सभी ज़रूरतों को पूरा करने में सक्षम है। उससे जुड़े रहो, उस पर भरोसा रखो, और वह तुम्हें अपनी स्वर्गीय आशीषों से आशीषित करेगा। बहुतायत।

सबसे बड़े खतरों में से एक जिससे हमें खुद को बचाना चाहिए, वह है **धन का प्रेम, क्योंकि धन का प्रेम सब प्रकार की बुराइयों की जड़ है...** - 1 तीमुथियुस 6:10 (एनआयवी)। पवित्रशास्त्र हमें यह भी याद दिलाता है, **जो धन से प्रेम करता है, उसके पास कभी तृप्ति नहीं होती; जो धन से प्रेम करता है, वह अपनी (अपनी) आय से कभी संतुष्ट नहीं होता...** - सभोपदेशक 5:10 (एनआयवी)। धन पर लगा हुआ मन कभी भी पूरी तरह संतुष्ट नहीं होगा।

कृपया समझें - धन अपने आप में समस्या नहीं है। हमें जीने, कड़ी मेहनत करने और अपने परिवारों का भरण-पोषण करने के लिए धन की आवश्यकता होती है। लेकिन जब धन की खोज हमारे आध्यात्मिक जीवन, हमारे परिवार या परमेश्वर के राज्य के प्रति हमारी प्रतिबद्धता की कीमत पर आती है, तो यह खतरनाक हो जाता है। यदि कोई कार्य आपको परमेश्वर के साथ समय बिताने, संगति की उपेक्षा करने, या उसके साथ अपने जीवन में समझौता करने के लिए मजबूर करता है, तो प्रार्थनापूर्वक उस कार्य का पुनर्मूल्यांकन करने का समय आ गया है।

5. जो तुम्हें सौंपा गया है उसकी रक्षा करो !

तीमुथियुस, जो तुम्हें सौंपा गया है उसकी रक्षा करो... - 1 तीमुथियुस 6:20 (एनआईवी)।

उन चीज़ों के बारे में सोचें जो परमेश्वर ने आपको सौंपी हैं! उन्हें बाहरी प्रभाव से बचाने के लिए सावधान रहें। यह आपका परिवार, आपका काम, आपकी आर्थिक स्थिति, आपकी बुलाहट, आपका अभिषेक, या आपकी सेवकाई हो सकती है - इन्हें अपने जीवन से सुरक्षित रखें!

हम उस सेवक की तरह न बनें जिसने अपना एक तोड़ा छिपा लिया। परमेश्वर चाहता है कि जो कुछ उसने हमारे हाथों में दिया है, उसे हम बढ़ाएं। जो आपके पास है उसे संजोएं और उसका ईमानदारी से उपयोग करें। साथ ही, परमेश्वर ने जो आपको सौंपा है उसे दूसरों तक पहुंचाना भी ज़रूरी है। पवित्र शास्त्र कहता है : **...विश्वसनीय पुरुषों (लोगों) को सौंपें जो दूसरों को सिखाने के योग्य भी हों।** - 2 तीमुथियुस 2:2 (एनआईवी)।

प्रिय मित्रों, हमें दूसरों को यह सिखाने के लिए बुलाया गया है कि परमेश्वर ने हमारे लिए क्या किया है - हमारे बच्चों, अगली पीढ़ी और हमारे आस-पास के लोगों के लिए। एक ऐसी विरासत छोड़ जाएँ जो परमेश्वर को महिमा देती रहे।

6. अच्छी शुरुआत करने और पुरस्कार पाने के लिए अपने कदम की रक्षा करें :

कई लोग अच्छी शुरुआत करते हैं, लेकिन रास्ते में कहीं न कहीं उनका ध्यान भटक जाता है। निरंतरता दृढ़ता पूर्वक समाप्त करने की कुंजी है। चाहे वह बाइबल पढ़ना हो, प्रार्थना करना हो, सेवा करना हो, या अच्छे

पृष्ठ 7 से आगे:...

GREAT COMMISSION PARTNERS
ECHO OF HIS CALL MINISTRIES SINCE 1989

महान आदेश के भागी

❋ भार उठना (गलातियो 6:2), ❋ सहायता करना (रोमियो 12:13) और ❋ चमकाना (2 तीमु. 1:6)

स्तुति और प्रार्थना निवेदन

19 अक्टूबर 2025, से 18 नवम्बर 2025 तक

(कृपया इस पृष्ठ को फाड़िये, घड़ी कीजिए और उसे अपनी बाइबल में रखकर निरंतर प्रार्थना कीजिए।)

स्तुति विषय

19 अक्टूबर : संसार भर में बाइबल और मसीही साहित्य की छपाई में शामिल लोगों की ज़रूरतों के लिए।

20 अक्टूबर : हमारे सहायक संपादकों और उनके सहायकों की सुरक्षा के लिए।

21 अक्टूबर : विविध सेवकाइयों के माध्यम से सुसमाचार का प्रचार करने के लिए हमारे वरिष्ठ पासवान का समर्पण।

22 अक्टूबर : ताकि हम अन्य सेवकाइयों की सहायता कर सकें।

23 अक्टूबर : हमारे सहायकसंपादकों और उनके परिवारों पर आशीष।

24 अक्टूबर : सेंट पॉल्स मैट्रिकुलेशन स्कूल में हमारे संडे स्कूल के बच्चों के कार्यक्रम में नए छात्र शामिल हो रहे हैं।

25 अक्टूबर : हमारे बाइबल पत्राचार पाठ्यक्रम और ईश्वरविज्ञान पत्राचार पाठ्यक्रम की उन्नति के लिए।

26 अक्टूबर : हमारे प्रायोजक और सेवकाई में उनकी भागीदारी।

27 अक्टूबर : हमारे प्रार्थना सहयोगियों, सदस्यता सहयोगियों, विश्वास सहयोगियों, जीवन सहयोगियों और महान आयोग सहयोगियों, साथ ही उनके परिवारों पर परमेश्वर के अनुग्रह के लिए।

28 अक्टूबर : नहेम्याह बाइबल कॉलेज के सुचारू संचालन को सुनिश्चित करने में उनकी दया के लिए।

29 अक्टूबर : हमारे मुख्य चर्च में जवानों की सेवकाई की उन्नति के लिए।

30 अक्टूबर : हमारे मिशनरियों और उनके परिवारों पर परमेश्वर के अनुग्रह के लिए।

31 अक्टूबर : हमारे मुख्य चर्च में पुरुषों की सभा पर परमेश्वर के अनुग्रह के लिए।

1 नवंबर : पिछले महीने हमारी सभी वित्तीय और आत्मिक ज़रूरतों को पूरा करने के लिए।

2 नवंबर : हमारे सुसमाचार छापखाने के निरंतर संचालन और उसके कर्मचारियों के समर्पण के लिए।

3 अक्टूबर : **सेंट पॉल्स मैट्रिकुलेशन स्कूल, नहेम्याह बाइबल कॉलेज** और **बाइबल पत्राचार पाठ्यक्रमों** पर परमेश्वर की निरंतर अनुग्रह के लिए।

कृपया प्रार्थना करें

4 अक्टूबर : नियमित पवित्र शास्त्रीय सभाओं के संचालन में हमारी सहायता के लिए परमेश्वर का मार्गदर्शन प्राप्त हो।

5 अक्टूबर : सभी राष्ट्रों की एकता और शांति के लिए।

6 अक्टूबर : हमारे सहयोगी संपादकों और उनके परिवारों पर आशीष के लिए।

7 अक्टूबर : हमारे सहयोगी, राज्य समन्वयक और उनके परिवार के लिए।

8 अक्टूबर : दुनिया भर के लोगों की सुरक्षा और कल्याण के लिए।

9 अक्टूबर : **सेंट पॉल्स मैट्रिकुलेशन स्कूल** (विलेज हाई स्कूल) में नए छात्रों के दाखिले के लिए।

10 अक्टूबर : हमारे सुसमाचार मुद्रणालय पर परमेश्वर की आशीष के लिए।

11 अक्टूबर : हमारे वरिष्ठ पादरी, एस. सैम सेल्वा राज और उनके परिवार के उत्तम स्वास्थ्य और कल्याण के लिए।

12 अक्टूबर : परमेश्वर के साथ अपने रिश्ते में सभी राष्ट्रों के विश्वासियों के बीच अखंडता।

13 अक्टूबर : **एको ऑफ़ हिज़ कॉल** की युवा और आउटरीच सेवकाई के लिए।

14 अक्टूबर : दुनिया के विभिन्न हिस्सों में आर्थिक मंदी का अंत हो।

15 अक्टूबर : दुनिया भर के मिशनरी कार्यकर्ताओं की ईश्वरीय सुरक्षा के लिए

16 अक्टूबर : हर राष्ट्र का नेतृत्व भक्तिमान अगुवों द्वारा किया जाए।

17 अक्टूबर : वंचितों और हाशिए पर पड़े लोगों के आर्थिक उत्थान के लिए।

18 अक्टूबर : दुनिया भर के लोगों के लिए प्राकृतिक आपदाओं से ईश्वरीय सुरक्षा के लिए।

उपलब्धियों के लिए पुरस्कार !

हमारे सहकर्मियों - सिस्टर नागाजोथी, आईपीएस, माननीय न्यायाधीश एग्नेस और सिस्टर सी. मैरी मैग्डलीन - को 27 अप्रैल, 2025 को उनके अपने व्यवसायों और सेवकाइयों में उनकी विशवासयोग्य, कड़ी मेहनत और उल्लेखनीय उपलब्धियों के सम्मान में अचीवर्स पुरस्कार प्रदान किए गए। ये पुरस्कार **एको ऑफ़ हिज़ कॉल मिनिस्ट्रीज़** द्वारा प्रदान किए गए।

सेवकाई में माननीय डॉक्टरेट की उपाधि!

वरिष्ठ अधिवक्ता एन. बालाजी, रेव्ह मोथिस विनोथ और सिस्टर एंजेलिन सेल्वाकुमारी हेन्री को

सीनियर एडव्होकेट एन. बालाजी रेव्ह. एम. मोथीस विनोथ और बहन एन्जेलिना सेल्वाकुमारी हेनरी इन्होंने डॉक्टरेट की पदवी ग्रहण की

विशेष घटनाएं!

10 अगस्त, 2025 को सेवकाई में डॉक्टरेट की उपाधि प्रदान की गई। इन पुरस्कारों ने **एको ऑफ़ हिज़ कॉल मिनिस्ट्रीज़** के माध्यम से परमेश्वर की सेवकाई में उनकी ईमानदारी, विश्वासयोग्य और समर्पित सेवा की प्रशंसा की।

एको ऑफ़ हिज़ कॉल सेवकाई की ५७वीं वर्षगांठ !

एको ऑफ़ हिज़ कॉल सेवकाई की ५७वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में १० अगस्त, २०२५ को हमारे मुख्य चर्च में विशेष सभाएं आयोजित की गईं।

रेव्ह. डॉ. स्टीफन देवकुमार और रेव्ह. डॉ. जे. डी. चार्ल्स अतिथि वक्ता

रेव्ह. डॉ. स्टीफन देवकुमार और रेव्ह. डॉ. जे. डी. चार्ल्स अतिथि वक्ता थे। इन समारोहों में परमेश्वर के नाम की महिमा की गई।

बच्चों का समर्पण !

भाई मोहन और बहन राहेल के पुत्र जाबेज़ जेवान और भाई सिमसन और बहन एस्तेर के पुत्र बेनेटिक के लिए बच्चों के समर्पण की एक सेवा आयोजित की गई।

भाई मोहन और बहन रेचल का बेटा जाबेज जीवन

भाई शिमोन और बहन एस्तेर का बेटा जाबेज जीवन

एनबीसी डिप.टी.एच. और बी.टी.एच. पाठ्यक्रम :

छात्रों को प्रभावी सेवकाई के लिए तैयार करने और सशक्त बनाने हेतु, चेपॉक और संतोषपुरम स्थित नहेम्याह बाइबल कॉलेजों में क्रमशः ईश्वरविज्ञान में डिप्लोमा (डिप्लोमा टीएच) और ईश्वरविज्ञान में स्नातक (बी. टीएच) पाठ्यक्रमों का उद्घाटन किया गया।

चेपौक के नहेम्याह बाइबल कॉलेज विद्यार्थी

संतोषपुरम के नहेम्याह बाइबल कॉलेज विद्यार्थी

ECHO OF HIS CALL REACHING NATIONS SINCE 1969

NEHEMIAH BIBLE COLLEGES,

Qualification : 10th Standard & above

Chepauk & Santhoshapuram, Velachery Chennai.

Rush for Admission!

Medium : Tamil (Part Time)

Hindi (Residential) (Sponsorship Available)

Diploma in Theology & Bachelor of Theology

Contact : The Chairman, Nehemiah Bible College.

10, MOHAMMED ABDULLAH 2ND STREET, CHEPAUK, CHENNAI - 600 005, INDIA.

Phone : (+91-44) 2852 8282, Cell : (+91) 98410 71852 / 95661 31858

E.mail : sam@echoofhiscall.org / Website : www.echoofhiscall.org

Recognised by International Christian Leaders & Senior Pastors for the past 56 years

MAIN CHURCH PROGRAMMES

1. Prayer Service : 24 hours
2. **ECHO OF HIS CALL** - Monthly Magazines :English, Tamil, Malayalam, Telugu, Hindi, Kannada, Marathi, Gujarati, Bengali, Odiya, Nepali, Assamese, Punjabi, Urdu, Sinhala & Afrikan.
3. **BIBLECOR -** Basic Bible Courses (English, Tamil & Hindi)
4. Theological Correspondence Courses: English & Tamil
5. Nehemiah Bible Colleges (Chepauk, Santhoshapuram & Velachery)
6. Branch Churches: Santhoshapuram, Balaji Nagar & Velachery
7. Great Commission Partners (Network of Pastors)
8. Training Programmes – Seminars & Retreats
9. Crusades
10. Literature Distribution and Follow Up
11. Gospel Printing Press - Publications
12. St. Paul's Matriculation School - Village English High School
13. Sunday Schools (Chepauk) : 10.30 a.m. Sunday & (Velachery, Balaji Nagar & Santhoshapuram) 3.00 p.m. Sunday
14. **Early Morning Service : 5.30 a.m. Sunday**
15. **Preliminary Service : 8.00 a.m. Sunday**
16. **Tamil Service : 8.30 a.m. Sunday**
17. **Youth Meeting : 11.00 a.m. Sunday**
18. **Fellowship Lunch : 1.00 p.m. Sunday**
19. **Telugu Service : 4.00 p.m. Sunday**
20. **Hindi Service : 5.00 p.m. Sunday**
21. **Tamil & English Service : 6.00 p.m. Sunday**
22. Feedback Time : 7.30 p.m. Sunday
23. Women's Prayer : 5.30 p.m. Wednesday
24. Men's Prayer : 7.30 p.m. Friday
25. Discipleship Meeting : 6.00 p.m. Saturday
26. House Meetings : 6.30 p.m. Tuesday & Thursday
27. Special Holy Communion : 6.00 a.m. 1st day of each month
28. Ministers' Meeting : 5.30 p.m. First Saturday
29. Parents' Prayer : 4.00 p.m. First Sunday
30. Night Prayer : 9.30 p.m. Third Friday
31. Fasting Prayer : 9:30 a.m. Second Saturday
32. Holy Communion : Second Sunday Service
33. Youth / Kid Prayer : 10.00 p.m. daily (over phone)
34. Staff Devotion : 9.00 a.m. daily
35. Office : 9.00 a.m. to 9.00 p.m. (except Sundays)

पृष्ठ 4 से आगे...

कार्य करते हुए, दिन-प्रतिदिन विश्वास योग्यता ज़रूरी है।

हाल ही में, मेरी मुलाक़ात एक ऐसे युवक से हुई जिसने मुझे बताया कि उसे मसीह के साथ चलना बहुत पसंद है, लेकिन उसे संतुलन बनाए रखने में दिक्कत होती है। कभी-कभी वह खुद को परमेश्वर के इतने करीब महसूस करता है कि घंटों उसकी उपस्थिति में बिताता है - बाइबल पढ़ता है, प्रार्थना करता है, आराधना करता है, और सुसमाचार के गीत और संदेश सुनता है। लेकिन कभी-कभी उसका मन इतना उदास होता है कि वह बाइबल खोलना या उसके बारे में सोचना भी मुश्किल से चाहता है। उसने मुझसे पूछा कि इस संघर्ष से कैसे निपटा जाए।

शायद आप में से कुछ लोग भी ऐसा ही महसूस करते हों। मैंने उससे कहा : यह एक जाल है, और तुम्हें इसमें नहीं रहना चाहिए। इससे बाहर निकलने का एकमात्र रास्ता जानबूझकर किया गया चुनाव है - चलते रहना, विश्वासयोग्य बने रहना, और चाहे कैसा भी महसूस हो, आगे बढ़ते रहना।

कभी-कभी, आपको जानबूझकर कार्य करने की आवश्यकता होगी - इसलिए नहीं कि आपको ऐसा करने का मन हो, बल्कि इसलिए कि यह ज़रूरी है। कभी-कभी, ऐसा लग सकता है कि हम केवल दिखावा कर रहे हैं, लेकिन वास्तव में, हम अभ्यास कर रहे होते हैं।

पृष्ठ 9 में क्रमशः...

एको ऑफ हिज़ कॉल मासिक पत्रिका विनामूल्य पाने का उत्तम अवसर

यदि आप डाक, पत्र, ईमेल, वॉट्स अप या फोन करके अपने मित्रों/रिश्तेदारों के पते भेज सके, तो हम उन्हें **एको ऑफ हिज़ कॉल** मासिक पत्रिका विनामूल्य भेजेंगे।

कर में छूट

किसी भी व्यक्ति अथवा संस्था द्वारा "एको ऑफ हिज़ कॉल एज्युकेशनल ट्रस्ट" को दिया गया दान आयकर कानून की धारा ८० जी. के तहत कर मुक्त माना जाता है। इसके लिए अधिकृत रसीद दी जाएगी। दानदाताओं से निवेदन है कि वे अपने चेक तथा ड्राफ्ट **"एको ऑफ हिज़ कॉल एज्युकेशनल ट्रस्ट"** के नाम पर आपके आधार कार्ड और पैन कार्ड के साथ भेज दें।

Account Name	**: ECHO OF HIS CALL EDUCATIONAL TRUST**
Account Number	**: 1023 2923 805**
Bank Name	**: STATE BANK OF INDIA**
Branch	**: TRIPLICANE, CHENNAI - 600 005**
IFSC Code	**: SBIN 0000249**
SWIFT Code	**: SBI NIN BB 455**

खाई से महल तक

(पास्टर एस. सॅम सेल्वा राज के जीवन अनुभव)

"जो पढ़े वह समझे" मत्ती 24:15

परमेश्वर जो विनम्र सेवा को ऊँचा उठाता है

परमेश्वर के अनुग्रह से, 10.08.1969 से, मैंने अपना सुसमाचार प्रचार कार्य, सेवकाई प्रशिक्षण, ट्रैक्ट वितरण, प्रार्थना सभाओं का नेतृत्व और कलीसियाओं में वचन का प्रचार करना शुरू किया।

शायद ही कोई मुझे परमेश्वर का सेवक मानता था, क्योंकि मैं जवान था और इस क्षेत्र में नया था। इसके अलावा, मेरे लिए प्रचार कार्य जारी रखने में पैसों की कमी एक बड़ी रुकावट थी। परिणामस्वरूप, मुझे प्रतिदिन कई मील पैदल चलकर अपना प्रचार करना पड़ता था। इसलिए लंबी पैदल यात्रा और भूखा रहना मेरे प्रचार कार्य का अभिन्न अंग बन गया। प्रचार कार्य करने और प्रचार कार्य के लिए उपकरण खरीदने हेतु बहुत धन की आवश्यकता थी।

अपने प्रचार कार्य की शुरुआत से ही मेरा दृढ़ विश्वास था कि मैं अपने किसी भी मित्र या रिश्तेदार से किसी भी प्रकार का सहयता नहीं लूँगा। क्योंकि परमेश्वर को अपने कार्य के लिए, जैसा कि उन्होंने मुझे बुलाया है, प्रबन्ध करना ही होगा। परमेश्वर ने मुझे आज तक इसी सिद्धांत पर टिके रहने में मदद की है। इस सिद्धांत का पालन करते हुए मुझे अवर्णनीय कठिनाइयों और चुनौतियों का सामना करना पड़ा।

मैं मानसिक और शारीरिक रूप से इस हद तक प्रभावित था कि मैं किसी विशेष परिस्थिति में खुद को संभाल नहीं पा रहा था। मेरे एक रिश्तेदार स्वर्णराज ने मुझे परिवहन विभाग में सरकारी नौकरी दिलाने की कोशिश की; और पलापल्लम, मैथिकोडे में परमेश्वर के एक सेवक भाई कहलिन्स और मेरे एक मित्र ने मुझे एक निजी फर्म में नौकरी दिलाने की कोशिश की; उनके दोनों प्रयास व्यर्थ गए।

ऐसी स्थिति में, जब मैं 17.05.1971 को उपवास कर रहा था, प्रभु के आत्मा ने मुझे एक स्थायी नौकरी के लिए प्रार्थना करने के लिए प्रेरित किया। प्रार्थना के परिणामस्वरूप, मुझे इन शब्दों के साथ एक मजबूत विश्वास मिला, "एक महीने के भीतर मैं तुम्हें एक स्थायी नौकरी दूंगा और तुम उसके साथ जीवन बिता सकते हो"। पवित्रशास्त्र के अनुसार जो कहता है, **और हमें उसके सामने जो हियाव होता है, वह यह है; कि यदि हम उसकी इच्छा के अनुसार कुछ माँगते हैं, तो वह हमारी सुनता है। जब हम जानते हैं कि जो कुछ हम माँगते हैं वह हमारी सुनता है, तो यह भी जानते हैं कि जो कुछ हम ने उससे मांगा, वह पाया है** 1 यूहन्ना 5:14,15। यह विश्वास करते हुए कि मुझे एक नई नौकरी मिल गई है मेरी गतिविधियों को देखकर कई लोग मेरी मानसिक स्थिति पर संदेह करने लगे। लेकिन उनकी परवाह न करते हुए, मैंने परमेश्वर पर पूरा विश्वास किया।

जैसे-जैसे दिन बीतते गए, मैं हर दिन बेसब्री से डाकिये का इंतज़ार करता रहा। पूरा एक महीना बीतने के बाद, ठीक 18.06.1971 को मैं

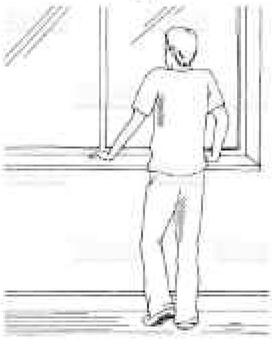

प्रभु पर विश्वास रखते हुए डाकघर गया। जैसे ही डाकिये श्री नेल्लईअप्पन ने मुझे देखा, उन्होंने इशारा किया कि मेरे लिए कुछ नहीं है। फिर भी, परमेश्वर की प्रतिज्ञाओं से लिपटे हुए, मैं वहीं बैठ गया और प्रार्थना करने लगा। मुझे बहुत आश्चर्य हुआ जब कुछ ही मिनटों में उसी डाकिये ने कहा, "सैम, तुम्हारी एक पंजीकृत डाक आई है, हस्ताक्षर करके इसे ले जाओ।"

पत्र खोलने पर, मैंने पाया कि यह तमिलनाडु लोक सेवा आयोग, चेन्नई से श्रम विभाग में नियुक्ति पत्र था। यह कुछ साल पहले दी गई मेरी परीक्षा का परिणाम था। मेरी हार्दिक प्रार्थना से यह शीघ्र आ गया और एक चमत्कार हुआ। हाँ, प्रार्थना एक अद्भुत आत्मिक हथियार है।

मैं खुशी से चेन्नई आया और नौकरी पर लग गया। नौकरी से मिलने वाले मेरे वेतन का बड़ा हिस्सा मेरी सेवा में लगा। परमेश्वर के अनुग्रह

Farewell by Mr. A. Shenbagam B.E., Chief Inspector of Factories with my co-workers at the time of leaving my Government job in 1994

चेपौक के नहेम्याह बाइबल कॉलेज विद्यार्थी

और लोगों की कृपा से, सरकार ने मुझे सरकारी सेवा के साथ-साथ सेवा जारी रखने की विशेष अनुमति दी। बाद में, 1994 में, प्रभु ने मुझे सरकारी नौकरी छोड़कर पूर्णकालिक सेवा करने का आदेश दिया और मैंने उनकी आज्ञा का पालन किया और पूर्णकालिक सेवा में प्रवेश किया।

हमारा परमेश्वर भला है! वह समय का पाबंद है! उससे दृढ़ता से जुड़े रहो!! तुम्हें सफलता अवश्य मिलेगी!!! वह आज तुम पर पैनी नज़र रख रहा है।

जिसका मन तुझ में धीरज धरे हुए है, उसकी तू पूर्ण शान्ति के साथ रक्षा करता है, क्योंकि वह तुझ पर भरोसा रखता है। - यशायाह 26:3।

****

पृष्ठ 7 से आगे:...

निरंतरता के लिए अनुशासन की आवश्यकता होती है, और अनुशासन जानबूझकर होना चाहिए; अन्यथा, हम लक्ष्य से चूक जाएँगे।

इसीलिए बाइबल हमें सिखाती है कि हम जो भी शुरुआत करते हैं, पूरा करना होगा - **अपने विषय में चौकस रहो, कि जो परिश्रम हम ने किया है उसको तुम गवां न दो, वरन् उसका पूरा प्रतिफल पाओ।** 2 यूहन्ना 1:8 (एनएलटी)।

प्रभु हमें विश्वासयोग्यता से दौड़ने के लिए मज़बूत करें। वह हमें उस काम को पूरा करने में सक्षम बनाए जिसके लिए उसने हमें बुलाया है, ताकि जब वह तुरही की आवाज के साथ लौटे, तो हम अपना इनाम पा सकें।

7. परमेश्वर के वचन का विरोध करने वालों से सावधान रहें :

अंत में, पवित्रशास्त्र हमें उन लोगों से सावधान रहने की शिक्षा देता है जो परमेश्वर के राज्य का विरोध करते हैं। पौलुस तीमुथियुस को चेतावनी देता है : तुम्हें भी उससे सावधान रहना चाहिए, क्योंकि उसने हमारे संदेश का कड़ा विरोध किया है - 2 तीमुथियुस 4:15 (एनआयवी)।

अक्सर, क्योंकि बाइबल हमें सभी से प्रेम करना और धैर्य रखना सिखाती है - यदि संभव हो, तो जहां तक हो सके, सभी के साथ शांति से रहें — रोमियों 12:18 (एनआयवी), - हम कलीसिया और समुदाय दोनों में, उन लोगों को सहन कर सकते हैं जो मसीह के शरीर की एकता को कमज़ोर करते हैं। फिर भी, यहां हम देखते हैं कि कैसे पौलुस उन सभी को कड़ी चेतावनी देता है जो परमेश्वर के वचन और कार्य के विरोध में चलते हैं।

वह हमें स्वयं की रक्षा करना, सतर्क रहना और झूठी शिक्षाओं से सावधान रहना भी सिखा रहा है। इन अंतिम दिनों में, जैसा कि बाइबल हमें पहले ही चेतावनी दे चुकी है, कई शिक्षाएं सत्य की घोषणा करने के बजाय लोगों के मन और इच्छाओं को संतुष्ट करने के लिए प्रचार की जा रही हैं। प्रचारक अक्सर अपनी कलीसियाओं को "नाराज" करने के डर से सच बोलने से बचते हैं। परिणामस्वरूप, हर स्तर पर समझौते देखने को मिलते हैं।

मैं अक्सर पतरस के साहस पर अचंभित हो जाता हूं जब उसने कहा, "हमें मनुष्यों की नहीं, बल्कि परमेश्वर की आज्ञा माननी चाहिए!" - प्रेरितों के काम 5:29। सवाल यह है कि आज कितने अगुवे और विश्वासी ऐसा कहने को तैयार हैं?? क्या हममें हर मुश्किल का सामना करने का साहस है? क्या हम निडर होकर कह सकते हैं, "मैं इस व्यक्ति या इस निर्णय को स्वीकार नहीं करूँगा क्योंकि यह परमेश्वर के वचन के खिलाफ है"?

इसी संदर्भ में परमेश्वर हमें इन अंतिम दिनों में अपनी रक्षा करने के लिए बुलाता है।

प्रिय मित्रों, हमने उन सात क्षेत्रों पर विचार किया है जहाँ बाइबल हमें अपने जीवन की रक्षा करने का निर्देश देती है। मेरी प्रार्थना है कि परमेश्वर हमें अपनी रक्षा करने और उसके वचन पर दृढ़ रहने की बुद्धि और साहस प्रदान करें - क्योंकि उसका आगमन बहुत निकट है।

परमेश्वर आप सभी का भला करें!

****

NOTICE

Save our mobile numbers (+91) 98410 71858, (+91) 98412 71858 (main numbers) in your mobile phones.

\- Editor

Posted at "Egmore RMS Patrika Channel" RNI.No.63656/95, Postal Regn.No.TN/CH/(C)/202/24-26 WPP.No.TN/PMG(CCR)/WPP-222/24-26

एको ऑफ हिज़ कॉल

यू ट्यूब

Please subscribe

कृपया आपके समय के अनुसार हमारा **एको ऑफ हिज़ कॉल यू ट्यूब चैनल** देखें और उसे सब्स्काईब करें। - धन्यवाद

OUR BANK DETAILS:

1. Bank : State Bank of India

Branch	: **Triplicane, Chennai-5**
Name	: **S. Sam Selva Raj**
A/C No.	: **1023 2934 679**
IFSC	: **SBIN 00 00 249**
SWIFT CODE	: **SBI NIN BB 455**

2. Bank : ICICI Bank

Branch	: **Anna Salai, Chennai-6**
Name	: **Echo of His Call**
A/C No.	: **6038 0502 2319**
IFSC	: **ICIC 000 6038**

3. Bank : State Bank of India

(This Account is for Tax Exemption for Indians only)

Branch	: **Triplicane, Chennai-5**
Name	: **Echo of His Call Educational Trust**
A/C No.	: **1023 2923 805**
IFSC	: **SBIN 00 00 249**

Google Pay: 98410 71858
PayPal : SAM SELVA RAJ
*****
E.mail : sam@echoofhiscall.org

एको ऑफ हिज़ कॉल

१६ भाषाओं में मासिक पत्रिकाएं, पत्राचार पाठ्यक्रम, कलीसिया रोपन, ग्रामीण अंग्रेज़ी हायस्कूल, सुसमाचार छापखाना, क्रूसेड, सेमिनार, समाज सेवा आदि।

वार्षिक शुल्कः रु. १००/-   आजीवन शुल्कः रु. २,०००/-

एको ऑफ हिज़ कॉल की गतिविधियां आपके समान परमेश्वर के लोगों के स्वेच्छा दानों और भेंटों से पूरी की जाती हैं। आप परमेश्वर की अगुवाई के अनुसार **एको ऑफ हिज़ कॉल** और उसके सारे कार्यक्रमों को आर्थिक सहायता भेज सकते हैं। अनपहुंचे लोगों को सुसमाचार सुनाने हेतु और कलीसिया की स्थापना के लिए हमें आपकी सहायता की ज़रूरत है।

अगर आप **एको ऑफ हिज़ कॉल** मासिक पत्रिका नियमित रूप से प्राप्त करना चाहते हैं तो कृपया हमें लिख भेजें। जब कभी अपना पता या ई-मेल बदलें तो कृपया अपने पुराने एवं वर्तमान पते के बारे में अवश्य सूचना दें।

एको ऑफ हिज़ कॉल सेवकाई १६ भाषाओं की मासिक पत्रिका हमारे वेबसाइट पर भी उपलब्ध है। आप इस साइट पर जाकर और उसे डाऊनलोड करके उसे पढ़ सकते हैं और आशीष पा सकते हैं।

आपके पत्र, प्रार्थना अनुरोध और आपकी आर्थिक सहायता (मनी ऑर्डर, चेक या डिमांड ड्राफ्ट, एनईएफटी, पेपॅल को(Sam Selva Raj, sam@echoofhiscall.org) PhonePe (98410 71858), Gpay (98410 71858), Western Union, MoneyGram, etc.) कृपया निम्नलिखित पते पर भेजी जा सकती है।

कृपया अपना **लैंड लाईन फोन/सेल फोन क्रमांक और ई-मेल पता** आवश्यक सुधार/अद्यतनीकरण के लिए भेजें।

Our address :
ECHO OF HIS CALL
10, MOHAMMED ABDULLAH 2ND STREET, CHEPAUK, CHENNAI - 600 005, INDIA
PH: (+91-44) 2852 8282, 2852 9293, 2854 7766/ Cell: (+91) 98410 71852, 95661 31858 / E.mails: sam@echoofhiscall.org / biblecor@yahoo.co.in
Websites: www.echoofhiscall.org / www.stpaulsmatriculation.org

YOU CAN SEND YOUR DONATION ONLINE ALSO

Regd. with the RNI under No . 63656/95
Licenced to post without pre-payment
Postal Regn. No. TN/CH (C) /202/24-26
Licence No. WPP. No. TN/PMG(CCR)/WPP-222/24-26
Date of Publication: Second week of every month
Date of Posting : 8th & 9th of every month
Posted at "Egmore RMS Patrika Channel"
on 9th OCTOBER 2025
If un-delivered please return to:
ECHO OF HIS CALL (HINDI)
P.O. Box No. 2957, Chepauk, Chennai - 600 005, INDIA.
Phone: (+ 91- 44) 2852 8282, 2852 9293, 2854 7766

JESUS LOVES YOU!

To

GOD BLESS YOU!

Owned and published by **S. Sam Selva Raj** from New No. 8 & 10, Old No.18 & 19, Mohammed Abdullah 2nd Street, Chepauk, Chennai-600 005 and printed by **S. Sam Selva Raj** at **Echo of His Call Printers,** New No. 8 & 10, Old No.18 & 19, Mohammed Abdullah 2nd Street, Chepauk, Chennai-600 005. Editor: **S. Sam Selva Raj.**